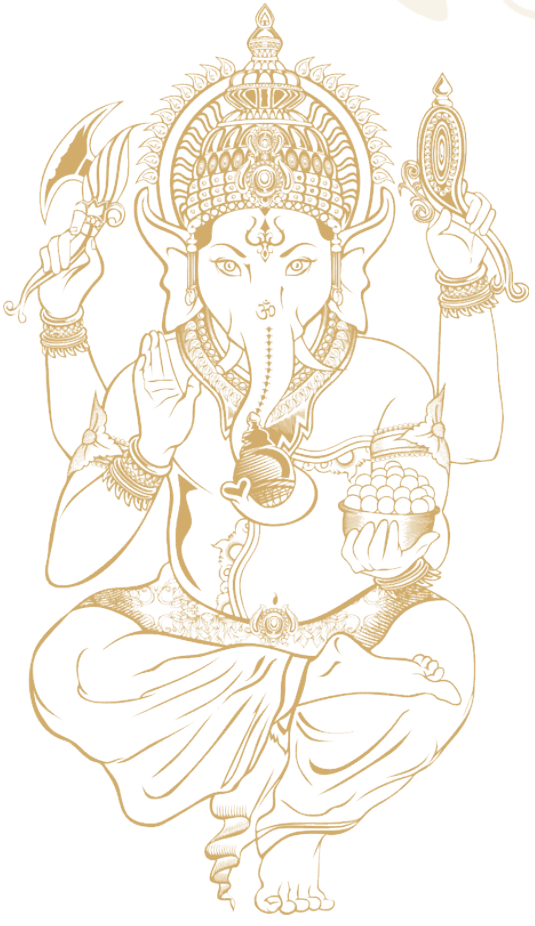

Mr.bashudev kumar

17 Aug 2025

11:45 AM

Kharik

Model: web-freekundliweb

Order No: 121161111

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/08/2025**
दिन	रविवार
जन्म समय	**11:45:00 घंटे**
इष्ट	16:11:43 घटी
स्थान	**Kharik**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:23:00 उत्तर
रेखांश	87:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:18:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:03:04 घंटे
वेलान्तर	-00:04:05 घंटे
साम्पातिक काल	09:46:36 घंटे
सूर्योदय	05:16:18 घंटे
सूर्यास्त	18:15:07 घंटे
दिनमान	12:58:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	00:23:44 सिंह
लग्न के अंश	26:06:02 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	व्याघात
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वा-वासुदेव
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	26:06:02	312:52:01	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
सूर्य			सिंह	00:23:44	00:57:42	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृष	14:11:31	14:08:42	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
मंगल			कन्या	12:14:30	00:38:00	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
बुध			कर्क	12:07:07	00:42:16	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	20:51:37	00:11:56	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	25:46:33	01:10:56	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	मित्र राशि
शनि	व		मीन	06:43:30	00:03:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:20:39	00:01:22	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:20:39	00:01:22	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	07:04:48	00:01:00	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	07:29:02	00:01:14	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	07:50:57	00:01:17	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			सिंह	00:07:59	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:58

लग्न-चलित

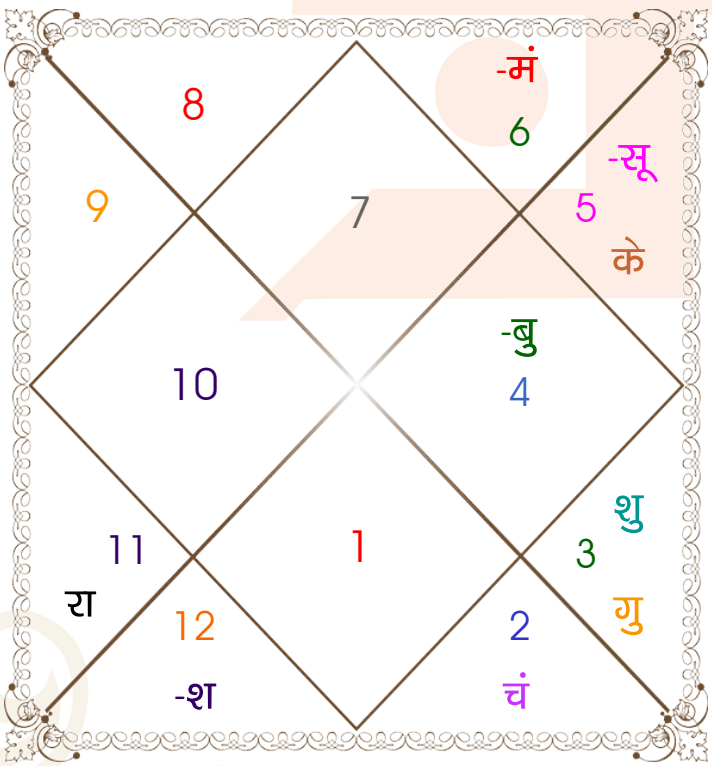

चन्द्र कुंडली

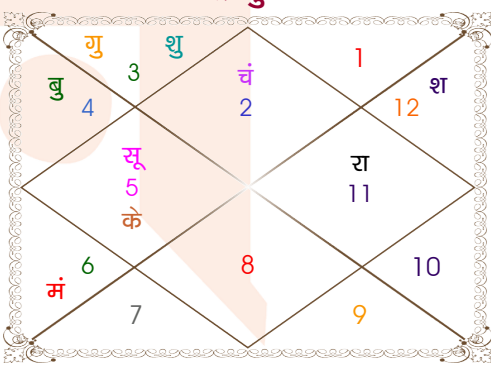

नवमांश कुंडली

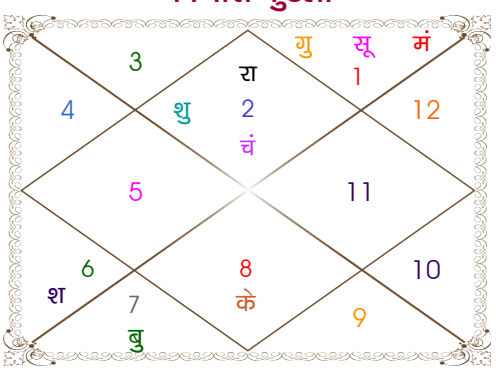

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 10 मास 8 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
17/08/2025		25/06/2032		26/06/2039		25/06/2057		25/06/2073	
25/06/2032		26/06/2039		25/06/2057		25/06/2073		25/06/2092	
	00/00/0000	मंगल	21/11/2032	राहु	08/03/2042	गुरु	14/08/2059	शनि	28/06/2076
	00/00/0000	राहु	10/12/2033	गुरु	01/08/2044	शनि	24/02/2062	बुध	08/03/2079
	17/08/2025	गुरु	16/11/2034	शनि	08/06/2047	बुध	01/06/2064	केतु	16/04/2080
गुरु	25/09/2026	शनि	26/12/2035	बुध	25/12/2049	केतु	08/05/2065	शुक्र	17/06/2083
शनि	25/04/2028	बुध	22/12/2036	केतु	13/01/2051	शुक्र	07/01/2068	सूर्य	29/05/2084
बुध	25/09/2029	केतु	20/05/2037	शुक्र	12/01/2054	सूर्य	25/10/2068	चंद्र	28/12/2085
केतु	26/04/2030	शुक्र	20/07/2038	सूर्य	07/12/2054	चंद्र	24/02/2070	मंगल	06/02/2087
शुक्र	26/12/2031	सूर्य	25/11/2038	चंद्र	07/06/2056	मंगल	31/01/2071	राहु	13/12/2089
सूर्य	25/06/2032	चंद्र	26/06/2039	मंगल	25/06/2057	राहु	25/06/2073	गुरु	25/06/2092

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
25/06/2092		26/06/2109		26/06/2116		26/06/2136		27/06/2142	
26/06/2109		26/06/2116		26/06/2136		27/06/2142		00/00/0000	
बुध	22/11/2094	केतु	23/11/2109	शुक्र	27/10/2119	सूर्य	14/10/2136	चंद्र	27/04/2143
केतु	19/11/2095	शुक्र	23/01/2111	सूर्य	26/10/2120	चंद्र	14/04/2137	मंगल	26/11/2143
शुक्र	19/09/2098	सूर्य	30/05/2111	चंद्र	27/06/2122	मंगल	20/08/2137	राहु	27/05/2145
सूर्य	26/07/2099	चंद्र	30/12/2111	मंगल	27/08/2123	राहु	15/07/2138	गुरु	18/08/2145
चंद्र	26/12/2100	मंगल	27/05/2112	राहु	27/08/2126	गुरु	03/05/2139		00/00/0000
मंगल	23/12/2101	राहु	14/06/2113	गुरु	27/04/2129	शनि	14/04/2140		00/00/0000
राहु	11/07/2104	गुरु	21/05/2114	शनि	26/06/2132	बुध	19/02/2141		00/00/0000
गुरु	17/10/2106	शनि	30/06/2115	बुध	27/04/2135	केतु	26/06/2141		00/00/0000
शनि	26/06/2109	बुध	26/06/2116	केतु	26/06/2136	शुक्र	27/06/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 6 वर्ष 10 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।